City International School

ANNUAL EXAMINATION 2015 – 2016

Date : 03/03/2016 **Marks : 80**

Std : IX **Subject : Hindi** **Time :** 3 hrs

This paper comprises of two Sections; Section A and Section B.
Attempt all questions from Section A.
Attempt any four questions form Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.
The intended marks for questions or parts of questions are given in Brackets ( )

SECTION A [40 MARKS]
Attempt all questions

Q. 1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: (15)
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :-

i. आज की युवा पीढ़ी प्रायः अपने बड़ों को उचित सम्मान नहीं देती इसका कारण बताते हुए इसके निवारण के भी उपाय बताइए।

ii. त्योहार हमें उमंग और उल्लास से भरकर अपनी संस्कृति से जोड़े रखते हैं। आजकल लोगों में त्योहारों को मनाने के प्रति उत्साह और आस्था का अभाव क्यों देखा जाता है। लोगों की इस मानसिकता का कारण बताते हुए जीवन में त्योहारों के महत्व का वर्णन कीजिए।

iii. "बिना विचारे जो करै, सो पाछे पछताए" कथन की सार्थकता को समझाते हुए अपने जीवन में घटी किसी एक घटना का वर्णन करें जिस पर आज भी आप पछताते हैं।

iv. "असफलता ही सफलता का आधार है" - विषय के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए।

v. एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो -
"आगे कुआँ पीछे खाई।"

Q. 2 Write a letter in Hindi approximately 120 words on any one of the topics given below: (7)
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए ।

i. आपकी सोसाइटी के सामने खाली मैदान में कुछ लोग आकर बस गए हैं। उनकी वजह से आस-पास का माहौल खराब हो रहा है जिसके कारण वहाँ के नागरिकों का जीवन कठिन हो गया है। अपने शहर के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर उनकी शिकायत कीजिए तथा सुव्यवस्था के लिए शीघ्र कदम उठाने की प्रार्थना कीजिए।

ii. कल्पना कीजिए कि बच्चों के वीरता पुरस्कार के लिए आपको चुना गया है। अपने मित्र को पत्र द्वारा अपनी प्रसन्नता और उत्तेजना की भावनाओं से अवगत कराते हुए वीरता पूर्ण घटना का संक्षिप्त परिचय भी दीजिए जिसके कारण आपको इस पुरस्कार के लिए चुना गया।

Q. 3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow using your own words as for as possible:-

नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।
उत्तर यथासम्भव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

महात्मा गौतम बुद्ध का जन्म करीब ढ़ाई हजार वर्ष पूर्व कपिलवस्तु के महाराज शुद्धोदन के यहाँ हुआ था। इनकी माता का नाम महारानी माया था। इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। जन्म के कुछ समय बाद माता के देहांत हो जाने के कारण बालक सिद्धार्थ का लालन-पालन विमाता प्रज्ञावती के द्वारा हुआ। इनका नाम सिद्धार्थ इसलिए रखा गया क्योंकि इनके पिता की संतान प्राप्ति की कामना इन्हीं के जन्म से पूरी हुई थी। राजा शुद्धोदन अपने इस इकलौते पुत्र के प्रति अपार स्नेह रखते थे।

सिद्धार्थ दयालु और दार्शनिक प्रवृत्ति का था। वह अल्पभाषी तथा जिज्ञासु स्वभाव के साथ-साथ सहानुभूतिपूर्ण सहज स्वभाव का जनप्रिय बालक था। वह लोक जीवन जीते हुए परलोक की चिंतन रेखाओं से घिरा हुआ था। ज्योतिषियोंने भविष्यवाणी की थी कि सिद्धार्थ जैसे बेटे का महाराज के यहाँ जन्म होना उनके लिए सौभाग्य की बात है और यह उनके कुल का नाम रोशन करेगा। सिद्धार्थ बचपन से ही बहुत गंभीर और शांत स्वभाव का था। उम्र बढ़ने के साथ-साथ वह गंभीर व उदासीन होता चला गया। राजा शुद्धोदन ने सिद्धार्थ की यह दशा देख आदेश दिया कि उसे एकांतवास में ही रहने दिया जाए। सिद्धार्थ को एक एकांत जगह रखा गया। उसे किसी से कुछ बात करने का या कहने की मनाही कर दी गयी। केवल खाने-पीने, स्नान, वस्त्र आदि की सारी सुविधाएँ दी गयीं। सेवकों और दासियों को यह आदेश दिया गया कि वे कुछ भी इधर-उधर की बातें उससे न करें।

एकांतवास में रहते हुए सिद्धार्थ संसार के रहस्य के प्रति तथा प्रकृति के कार्यों के प्रति जिज्ञासु हो गया था। वह सुख-सुविधाओं के प्रति कम विरक्ति के प्रति अत्यधिक उन्मुख और आसक्त हो चला था। सिद्धार्थ का जिज्ञासु मन अब और मचल गया। उसने बाहर जाने, देखने, घूमने और प्रकृति को पास से देखने की इच्छा प्रकट की। राजा शुद्धोदन ने उनकी यह इच्छा जान उन्हें राजभवन में लौटाने का आदेश दे दिया, लेकिन राजभवन में लौटने पर सिद्धार्थ की चिंतन रेखाएँ बढ़ती ही चली गयीं। महाराज शुद्धोदन को राज ज्योतिषी ने यह साफ-साफ कह दिया था कि यह बालक या तो चक्रवर्ती सम्राट बनेगा या फिर विश्व का सबसे बड़ा किसी धर्म का प्रवर्तक बनेगा।

इस भविष्यवाणी से राजा शुद्धोदन सावधान हो गए। सिद्धार्थ कहीं संन्यासी या वैरागी न बन जाए, इसके लिए उनका विवाह राजकुमारी यशोधरा से किया गया। इनसे इन्हें एक बेटा उत्पन्न हुआ। उसका नाम राहुल रखा गया। राजसी ठाट-बाट, सुंदर पत्नी का प्रेम व बेटे राहुल का वात्सल्य भी इनकी गंभीरता व उदासीनता को कम न करे सके। एक दिन सिद्धार्थ ने शहर घूमने की तीव्र इच्छा जतायी।

सारथी उन्हें रथ में बैठाकर नगर से होते हुए कुछ दूर तक ले गया था कि रास्ते में उन्होंने देखा कि कुछ लोग एक शव को श्मशान घाट ले जा रहे हैं। उन लोगों में से कुछ लोगों की अश्रुधारा बह रही थी और चेहरे लटके हुए थे। जिज्ञासु सिद्धार्थ ने सारथी से पूछा कि ये लोग क्या कर रहे हैं? सारथी ने बताया ये लोग मुर्दा ले जा रहे हैं। सिद्धार्थ ने पूछा मुर्दा क्या होता है? सिद्धार्थ के यह पूछने पर सारथी ने बताया " इस शरीर से आत्मा (साँस) के निकल जाने पर यह शरीर मिट्टी के समान हो जाता है जिसे मुर्दा कहा जाता है।" इस पर सिद्धार्थ ने पुनः प्रश्न किया क्या मैं भी मुर्दा हो जाऊँगा? इसी तरह रोगी और बूढ़े को देख सारथी से पूछने पर सिद्धार्थ ने यही पाया था कि उसे भी एक दिन रोग और बुढ़ापा के घेरे में आना पड़ेगा। इससे सिद्धार्थ का मन विराग से भर उठा। इस घटना के कुछ दिन बाद एक दिन ऐसा आया कि रात को सोते हुए अपनी धर्मपत्नी यशोधरा और पुत्र राहुल को छोड सिद्धार्थ संन्यास के मार्ग पर चल पड़े।

सिद्धार्थ घर-परिवार छोड़कर शान्ति और सत्य की खोज में वर्षों भटकते रहे। घोर तपस्या के कारण उनका शरीर काँटा हो गया। वे गया में वट वृक्ष के नीचे समाधिस्थ हो गए। बहुत समय के बाद अकस्मात् उन्हें ज्ञान प्राप्त हो गया। ज्ञान प्राप्त होने के कारण वे महात्मा बुद्ध कहलाने लगे। इसके बाद वह बौद्ध-धर्म का

प्रचार-प्रसार करने लगे। गौतम बुद्ध ने बौद्ध धर्म की शिक्षा और उपदेश के द्वारा ज्ञान दिया कि अहिंसा परमधर्म है। सत्य की विजय होती है। मानव धर्म ही सबसे बड़ा धर्म है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-

i. महात्मा बुद्ध का जन्म कहाँ हुआ था? इनका लालन-पालन किनके द्वारा हुआ और क्यों? **(2)**

ii. सिद्धार्थ कैसा बालक था? **(2)**
राज ज्योतिषी ने सिद्धार्थ के बारे में क्या भविष्यवाणी की थी?

iii. किस घटना के बाद सिद्धार्थ का मन विराग से भर उठा? **(2)**

iv. गौतम बुद्ध को ज्ञान कहाँ मिला था, उन्होंने अपने उपदेश में क्या कहा था? **(2)**

Q. 4 Answer the following according to the instructions given:-
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

i. निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा लिखिए (किन्ही दो के) :- **(1)**

a. बोलना b. युवा c. कहना d. बड़ा e. लड़का

ii. निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :- **(2)**

a. बिजली b. सिंह c. हिमालय d. लहू e. श्वेत

iii. निम्नलिखित शब्दों मे से किन्ही दो शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- **(1)**

a. संधि b. विकल्प c. विशिष्ट d. दाता e. कपूत

iv. निम्नलिखित मुहावरों में से किन्ही दो की सहायता से वाक्य बनाइए :- **(2)**

a. कंगाली मे आटा गीला
b. लोहा मानना
c. आड़े हाथों लेना
d. गुदड़ी का लाल
e. तिल धरने की जगह न होना
f. घड़ों पानी पड़ जाना

v. निम्नलिखित अनेक शब्दों के एक शब्द लिखिए - **(1)**

a. जिसमे उत्साह न रह गया हो-
b. तुरंत बुध्दिवाला –

vi. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य में परिवर्तन कीजिए :- (किन्ही तीन के) **(3)**

a. सत्य की विजय होती है। (बिना अर्थ बदले नकारात्मक वाक्य बनाइए।)
b. परिश्रमी व्यक्ति विप्पत्तियों से नहीं घबरता है। (वचन बदलिए)
c. गृहस्वामी ने बहुत देर तक प्रतीक्षा की। (वर्तमान काल में बदलिए।)
d. <u>जिसका दोष नहीं था</u> उसे मृत्युदंड़ दे दिया गया।
(रेखांकित वाक्यांश के लिए एक शब्द का प्रयोग कर वाक्य फिर से लिखिए।)

SECTION B [40 MARKS]

Attempt four questions from this section. You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions:

साहित्य सागर

Read the extracts given below and answer in Hindi the questions that follow:-
निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :-

Q. 5 उन्हें कदाचित ही क्रोध आता था, पर स्त्रियों के आँसू पुरुषों की क्रोधाग्नि भड़काने में घी का काम देते हैं। रात भर करवट बदलते रहे ।

i. प्रस्तुत पंक्तियों में किस व्यक्ति के बारे में कहा गया है ? उनके स्वभाव की अन्य विशेषताएँ क्या थी ? **(3)**

ii. उनकी पत्नी का क्या नाम था ? उसके साथ कौन-सी घटना घटी थी, जिसे सुनाते समय वह रो पड़ी ? **(2)**

iii. अगले दिन उस व्यक्ति ने अपने पिता से क्या कहा ? उसकी बात सुनकर उसके पिता क्यों घबरा उठे ? समझाकर लिखिए। **(2)**

iv. प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। **(3)**

Q. 6 प्रधानमंत्री ने इस पेड़ को काटने का हुक्म दे दिया है और इस घटना की सारी अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेदारी अपने सिर ले ली है। कल यह पेड़ काट दिया जाएगा और तुम इस संकट से छुटकारा हासिल कर लोगे। सुनते हो ? आज तुम्हारी फाइल पूर्ण हो गई।

i. प्रस्तुत शब्दों को किसने, किससे कब कहा और क्यों ? **(3)**

ii. संकट क्या था ? क्या उस व्यक्ति को संकट से छुटकारा मिल सका ? यदि नहीं तो क्यों ? स्पष्ट कीजिए। **(3)**

iii. "आज तुम्हारी फाइल पूर्ण हो गई।" इन शब्दों का कवि ने क्या उत्तर दिया ? समझाकर लिखिए। **(2)**

iv . प्रस्तुत कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। **(2)**

Q. 7 एक बार जब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पानवाले से ही पूछ लिया क्यों भाई क्या बात है ? यह तुम्हारे नेताली का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है ?

i. "दुर्दमनीय" शब्द का क्या अर्थ है ? यहाँ पर इस शब्द का प्रयोग क्यों किया गया है ? **(2)**

ii. पानवाले का परिचय दीजिए। **(2)**

iii. कस्बे की विशेषताएँ बताते हुए वहाँ के नगरपालिका द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी लिखिए। **(3)**

iv. क्या आज का समाज हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को उचित सम्मान दे रहा हैं ? आपके अनुसार हमें उन लोगों के प्रति कैसे भाव रखने चाहिए और क्यों ? **(3)**

एकांकी संचय

Read the extracts given below and answer in Hindi the questions that follow:-
निम्नलिखित अवतरण पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए :-

Q. 8 जिन बातों का हम प्राण देकर भी विरोध करने को तैयार रहते हैं एक समय आता है, जब चाहे किसी कारण से भी हो, हम उन्हीं बातों को स्वीकार कर लेते हैं।

i. प्रस्तुत कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए। **(3)**

ii. किसने, किस बात का विरोध किया था और क्यों? **(2)**

iii. वक्ता की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(2)**

iv. संस्कार और भावना में से अंत में किसकी जीत हुई और कैसे? **(3)**

Q. 9 "तुम भी तो किसी की बेटी विदा न करके अपमान कर रहे हो किसी का।"

i. वक्ता और श्रोता कौन है? वक्ता को श्रोता का कौन सा स्वभाव नहीं पसंद है? **(2)**

ii. श्रोता किसकी विदाई रोक कर बैठा था? क्यों? **(3)**

iii. किस घटना द्वारा श्रोता को सबक मिला? उसके बाद श्रोता के स्वभाव में क्या परिवर्तन आया? **(2)**

iv. लेखक ने एकांकी के माध्यम से किस सामाजिक कु प्रथा को दर्शाया है? उसका निराकरण किस प्रकार किया जा सकता है? एकांकी के आधार पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए। **(3)**

Q. 10 उनके पौरुष की परीक्षा का दिन आ पहुँचा है। महारावल बाप्पा का वशंज मैं लाख प्रतिज्ञा करता हूँ कि जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न, जल ग्रहण नहीं करूँगा।

i. उपर्युक्त वाक्य किसने एवं कब कहें है समझाकर लिखिए। **(3)**

ii. किनके पौरुष की परीक्षा का दिन आ पहुँचा है? ऐसा प्रसंग क्यों उत्पन्न हुआ? **(2)**

iii. श्रोता की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **(2)**

iv. प्रस्तुत एकांकी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। **(3)**

शुभेच्छा